केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

56-57, इन्स्टीट्यूशनल् एरिया, जनकपुरी, नवदेहली-110058

संस्कृत भाषा में पुस्तकों का अनुवाद परियोजना

भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के द्वारा प्रायोजित परियोजना है।

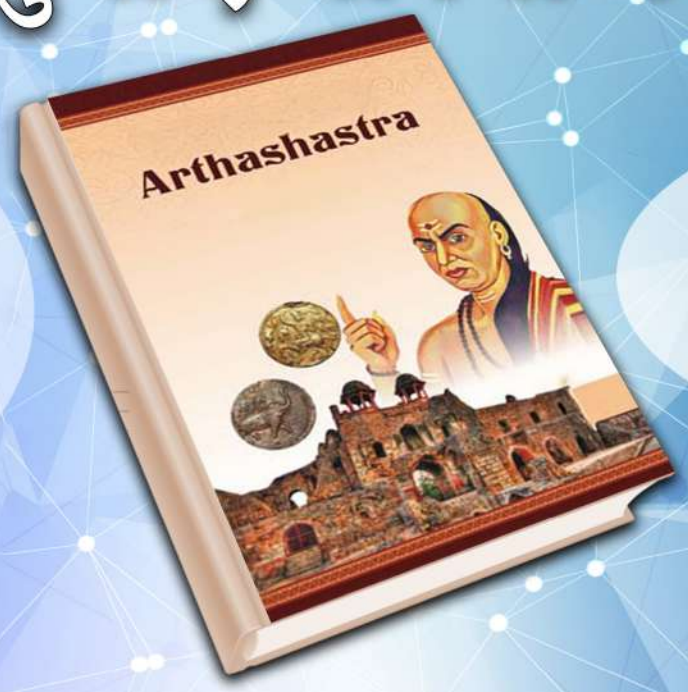

इस परियोजना हेतु संस्कृत विद्वानों और संस्थानों का आह्वान किया जाता है।

संस्कृत भाषा को जन-जन तक पहुंचाने हेतु, संस्कृत को उच्च शिक्षा क्षेत्र में माध्यम भाषा बनाने के लिए तथा संस्कृत विश्वविद्यालय को बहुविषयक विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने के लिए संस्कृत भाषा में पुस्तकों का अनुवाद अपेक्षित है। एतदर्थ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय भाषा समिति एवं केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा "संस्कृत में पुस्तकों का अनुवाद" के नाम से एक परियोजना प्रायोजित है। संस्कृत भाषा में पुस्तकों के अनुवाद हेतु संस्कृत के विद्वानों, शिक्षकों, अनुसंधाताओं, छात्र-छात्राओं और संस्कृत अनुरागियों से निवेदन है कि वे इस परियोजना से जुड़कर राष्ट्रकार्य में सहभागी बनें।

प्रत्येक ग्रंथ के अनुवाद के लिए मानदेय दिया जायेगा।

* प्रश्न - किन पुस्तकों का अनुवाद करना है ?

  उत्तर - कौशल, कला, वाणिज्य एवं सामाजिक विज्ञान विषयों से सम्बन्धित पुस्तकों का अनुवाद संस्कृत में करना है।

* प्रश्न - किस भाषा से अनुवाद करना होगा ?

  उत्तर - अंग्रेजी या हिंदी से।

* प्रश्न - अनुवाद करने हेतु पुस्तक कौन देगा ?

  उत्तर - यूजीसी द्वारा प्रदत्त पुस्तकों को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया जायेगा।

* प्रश्न - अनुवादकों में क्या योग्यता अपेक्षित है ?

उत्तर -

1. अनुवाद करने में रुचि और श्रद्धा।
2. संस्कृत के प्रति निष्ठा और संस्कृत के माध्यम से भारत को विश्व गुरु बनाने की इच्छा।
3. समय से कार्य करने के लिए अपेक्षित उत्साह।
4. अंग्रेजी या हिंदी से संस्कृत में अनुवाद तथा समीक्षा करने की योग्यता।
5. राष्ट्र कार्य करने का उत्साह।
6. अनुवादक संस्कृत विषय से स्नातकोत्तर उपाधि धारी हो, किसी विशेष स्थिति में शास्त्री उपाधि धारी भी अनुवादक हो सकता हैं।
7. समस्त प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के संस्कृत शिक्षक एवं अनुसंधाता।
8. संस्कृत-भारती इत्यादि गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से संस्कृत में शिक्षित समाजिक जन।
9. अनुवादकों की संस्कृत भाषा शुद्ध हो।
10. अनुवादकों को न्यूनतम अंग्रेजी या हिंदी का ज्ञान हो।
11. संस्कृत से कोई विशेष उपाधि न होने पर भी यदि संस्कृत से अनुवाद कर सकते हैं तो वे भी अनुवादक हो सकते हैं।

* प्रश्न - कौशल, विज्ञान, वाणिज्य या कला से सम्बन्धित विषयों के विशेषज्ञों को भी सह-अनुवादक के रूप में ले सकते हैं ?

उत्तर - हां, ले सकते हैं। यदि अनुवादक अनेक हैं तो मानदेय भी अनुवादकों में बांटा जाएगा।

* प्रश्न - संस्कृत में अनुवाद करने के लिए क्या करना होगा ?

उत्तर - व्यक्तिगत स्तर पर गूगल फॉर्म भरने हेतु स्कैन करना होगा- https://forms.gle/Vz4LUSfUg52VnNxT9

समस्त संस्कृत विश्वविद्यालयों, परिषदों, सामान्य विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागों एवं संस्कृत क्षेत्र में कार्यरत गैर सरकारी संगठनों से अनुरोध किया जाता है कि वे न्यूनतम 50 लेखकों को एकत्रित कर के इस महत्त्वपूर्ण कार्य में भाग ले सकते हैं। इस प्रकार एकत्रित लेखकों के लिए अनुवाद कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला आयोजन हेतु अपेक्षित धनराशि नियमानुसार विश्वविद्यालय के ओर से दिया जाएगा।

संस्था द्वारा गूगल फॉर्म भरने हेतु स्कैन करें- https://forms.gle/ghP5csoHLacBa4cy8

अधिक जानकारी के लिए संपर्क कर सकते हैं-
ugc.skt.textbook@csu.co.in